झिलमिल तारा ऋ आ चुनरी उढावे भाई

झिलमिल तारा ऋ आ चुनरी उढावे भाई,
उड़ावे भाई जी ओहडो माहरे भाई,
झिलमिल तारा ऋ आ चुनरी उढावे भाई,

माई रे री शुभ वेला में मंगल गीत सुनावा जी,
भात भरण ने भाई भतीजा भावज आई,
झिलमिल तारा ऋ आ चुनरी उढावे भाई,

पेहरिये से चुनड़ लेकर मीरो माहरो आयो जी,
सास नंद की चुनड़ी ने खूब सजाई,
झिलमिल तारा ऋ आ चुनरी उढावे भाई,

वंश बड़े महारे बाबुल को युग युग जेवे भाई जी,
सौरव मधुकर आख्या म्हारी भर भर आई,
झिलमिल तारा ऋ आ चुनरी उढावे भाई,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14338/title/jhilmail-taara-ri-aa-chunari-udaawe-bhai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |